प्यार

प्यार से कुछ शब्द कह

तुमने किसे अपना लिया।

जिंदगी से मौत तक का रास्ता

पुष्प सुंदर चुन मनोरम कर लिया।।

प्यार का वह शब्द ही

कुछ यूं कि खूशबू दे गया।

डूबते अरमान साथी के

कि जीवित कर गया।।

रुठता कोई किसी से

क्यों किसी से बोलता।

शब्द वह एक प्यार का

रिश्ता नया नित जोड़ता।।

क्यों ना इस चंचल हृदय में

प्यार की एक ताल भर दूं।

प्यार ही जीवन बना

इस जिंदगी को चमन कर दूं।।

अनिल कुमार लोहनी, वैज्ञानिक "सी", गंगा मैदानी क्षेत्रीय केन्द्र, पटना